

ris. 10, 20. mit einem im gen. gedachten subst.: वलभित्सख ÇĀk. 27, 23. VIKRAM. 3. विबुध^० BHĀṬṬ. 1, 1. BHĀG. P. 1, 8, 43. 9, 33. 15, 1. 3, 25, 4. 8, 1, 26. in Verbindung mit सुहृद् Freund: बलित्सखः सुहृत् 11, 13. दैवायनसुहृत्सखः 3, 4, 9. 5, 10, 26. am Ende eines adj. comp. 4, 28, 53. — 2) in Gesellschaft von —, vereint mit — seiend: प्रापदाश्रमम् — तस्य महर्षेमहिषीसखः so v. a. er und seine fürstliche Gemahlin RAGH. 1, 48. सखिव^० 4, 87. 12, 9. KUMĀRAS. 1, 10. KATHĀS. 14, 16. 18. 18, 382. 405. 23, 50. 28, 141. 144. 29, 41. 30, 58. 60. 141. 34, 174. 35, 160. 40, 83. 43, 12. 274. 44, 81. 45, 252. 52, 18. 56, 116. RĀGĀ-TAR. 4, 310. 668. BHĀG. P. 4, 25, 47. fg. कात्सखा f. 3, 12. खड्गैक^० nur von seinem Schwerte begleitet KATHĀS. 68, 40. — Vgl. कवा^०, काम^०, द्रावयत्^०, धी^०, पशु^०, पुत्र^०, प्रिय^०, मदिरा^०, मधु^०, मन्दयत्^०, मरुत्^०, मेघ^०, पावयत्^०, राम^०, लक्ष्मी^०, वसन्त^० (der vom Malaja blasende Wind VIKRAM. 31, 18), वात^०, वायु^०, विश्व^०, प्रुनः^०.

सखि (von सच् UṆĀDIS. 4, 136. m. nom. सखा, acc. सखायम्, instr. सख्या, dat. सख्ये, abl. gen. सख्युम्, loc. सख्यौ, du. सखाया, सखायि, pl. सखायस्, सखीन्, सखिभिस्, सखीनाम् P. 6, 1, 112. 7, 1, 92. fg. 3, 118. VOP. 3, 50. fgg. Geführte, Begleiter; Genosse, Freund AK. 2, 8, 1, 12. TRIK. 3, 3, 52. H. 730. an. 2, 28. MED. KH. 7. HALĀ. 2, 273 द्वा सुवर्णा सयुजा सखाया RV. 1, 164, 20. ह्री सखाया 3, 43, 4. कृतेः 10, 67, 3. तव प्रलेन युवेन सख्या वज्रेण 6, 21, 7. रायः 33, 2. विश्वे वा देवा अन्नकुर्ये सखायः die dich begleiteten 8, 83, 7. समूध्य VS. 6, 9. इन्द्र इच्छरतः सखा AIT. BR. 7, 15. सुशेव RV. 2, 1, 9. शिव 5, 12, 5. प्रिय 6, 75, 3. सखायस्ते वामभाजः स्याम 3, 35, 2. 4, 17, 17. सखे विश्वो 18, 11. 33, 3. सखीयो देवो 6, 60, 14. 7, 27, 2. न ते सखा सख्यं वंष्टि 10, 10, 2. AV. 5, 4, 7. सप्तपद 11, 9, 13. 5. युष्य 6, 51, 1. ज्ञाति, सखि ÇĀT. BR. 1, 6, 4, 3. 2, 2, 2, 16. हरिवान्मुतानां सखा ÇĀṆKH. ÇR. 7, 10, 13. M. 3, 110. MBH. 3, 2681. Spr. (II) 5927. 6638. PAÑĀT. 263, 3. सखे VIKRAM. 12, 1. BHĀG. P. 4, 28, 53. HIT. 14, 20. सखायम् MBH. 3, 1795. 2567. सख्या 1, 5135. सख्ये KATHĀS. 22, 163. सख्युस् M. 11, 58. 170. H. 9. सखिभिस् MBH. 1, 5368. सख्यादीन् M. 3, 113. H. 9. रामसखा R. 2, 83, 20. Auch in Verbindung mit einem fem. (vgl. सखी) P. 4, 1, 62, Schol. सखीभूदश्चिनौरुषाः RV. 4, 32, 2. 3. ĀÇV. GRHJ. 1, 7, 19. ÇĀṆKH. GRHJ. 2, 2. सखायं विहितं देवैः MBH. 1, 6133. Spr. (II) 6639. सखिगणावृता MBH. 3, 2095. सखितुल्या KATHĀS. 18, 20. — Vgl. अस्मत्^० (unter 1. अस्म), इन्द्र^०, गोषलि, गोसखि, बाल^०, मत्^०, मरुत्^०, वायु^०, प्रुनः^०, आवयत्^०, साखेय.

सखिता (von सखि) f. Genossenschaft, Freundschaft MBH. 3, 870. ऊपायाः सखितां गताः HARIV. 9921. मया सखितां गतः R. 5, 94, 22.

सखित्वं n. dass. RV. 1, 10, 6. 3, 1, 15. 4, 23, 2. 8, 21, 8. 10, 133, 6. R. 7, 108, 27. सखित्वमनुपालयन् 6, 26, 34. सखित्वं ज्ञास्यते मम 35. सखित्वात्तस्य aus Freundschaft zu ihm R. SCHL. 1, 10, 19. PAÑĀT. 60, 4. पितुर्हि प्रुश्राव सखित्वात्तमनः R. 3, 20, 36. सखित्वं चान्युपैतु नः 5, 90, 41. यातः सखित्वं बलघातिना HARIV. 7487. तथा सखित्वाद्द्वारुम् R. 4, 51, 18. मया सह 4, 12. ब्राल^० Freundschaft mit Spr. (II) 4434.

सखित्वनै n. dass. RV. 6, 51, 14. 8, 12, 6.

सखिदत्त गाṇा सख्यादि zu P. 4, 2, 80. — Vgl. साखिदत्तेय.

सखिपूर्व n. Freundschaft Spr. (II) 3281. 3663. MBH. 1, 5194 (unter पूर्व anders aufgefasst).

सखिभाव m. dass. KATHĀS. 74, 325.

सखिल (2. स + खिल) adj. sammt den Supplementen Ind. St. 3, 269. HARIV. 9491.

सखिवत् (von सखि) adj. mit Begleitern versehen RV. 1, 136, 4.

सखिविद् adj. Freunde gewinnend VS. 11, 8.

सखी (von सखि) f. Gesellschafterin —, Freundin eines Frauenzimmers P. 4, 1, 62. VOP. 4, 26. AK. 2, 6, 1, 12. H. 529. 334. HALĀ. 2, 332. MBH. 3, 2082. 2108. fg. 2605. HARIV. 9919. 9923. 9927. MRGH. 76. 86. 92. 101. ÇĀK. 9, 5. VARĀH. BRH. S. 78, 4, 9. KATHĀS. 18, 231. 364. LA. (III) 3, 16. 19, 7. 33, 18. PAÑĀT. 238, 9. UTTARAR. 47, 9 (61, 13). °जन Spr. (II) 3337. R. 2, 78, 13. fg. RAGH. 3, 1. ससखीजना adj. f. ÇĀK. 32, 14. प्रिय^० RAGH. 3, 5. Spr. (II) 1634. VIKRAM. 8, 2, 3. श्री^० BHĀG. P. 8, 9, 18. शयन^० Bettgenossin (der Freundinnen) KUMĀRAS. 7, 95. वनात्संगीत^० Theilnehmerin an 5, 56. Freundin so v. a. Geliebte VARĀH. BRH. S. 104, 28.

सखीक am Ende eines adj. comp. (f. स्या) von सखी. उत्पतिता सखीकाहम्ब्वरम् KATHĀS. 20, 112. 66, 173. 119, 125.

सखीय् (von सखि) sich als Begleiter anschliessen, Freundschaft suchen; nur partic. °यन् RV. 3, 31, 7. सखीयताम्विता बोधि 4, 17, 18. 5, 49, 1. सखीभिः सखीयन् 6, 32, 3. 8, 40, 3. सुषवा सखीयते 10, 91, 1.

सखीहृदयामरण m. N. pr. eines Mannes Verz. d. B. H. No. 374.

सखेद् (2. स + खेद्) adj. betrübt; °म् adv. ÇĀK. 32, 11.

सखील N. pr. einer Oertlichkeit RĀGĀ-TAR. 1, 342.

सख्यै (von सखि) n. VS. PRĀT. 4, 164. Gemeinschaft; Freundschaft P. 5, 1, 126. AK. 2, 8, 1, 12. H. 730. HALĀ. 4, 21. दृतेरिव ते ऽवृकर्मस्तु सख्यम् RV. 6, 48, 18. अग्निर्षिषां सख्ये ददातु नः 8, 60, 13. 10, 124, 9. प्राणः सख्ये नो अस्तु AV. 13, 1, 17. देवानाम् RV. 7, 7, 2. गर्मन् इन्द्रः सख्या वयश्च 1, 178, 2. 2, 18, 8. शिव 7, 22, 9. प्रब 6, 18, 5. पित्र्य 7, 72, 2. त्वेषा 10, 93, 15. सख्य, स्याय 7, 82, 8. सख्य, वेश्य 6, 61, 14. 19, 13. 8, 83, 7. 10, 10, 1. 2. 71, 2. 132, 2. स्वात्सख्यादर्षीं नाभिमेमि Freundschaft so v. a. Verwandtschaft 10, 123, 2. AV. 7, 104, 1. 8, 9, 22. — R. 1, 3, 23. RAGH. 5, 60. Spr. (II) 6230. 6660. BHĀG. P. 6, 4, 24. 7, 3, 23. 8, 9, 10. तयोः सख्यमभवत् HIT. 25, 15. समानशीलव्यसनेषु Spr. (II) 4934. मुमुर्क्षु सख्यं रामस्य ह्री RAGH. 12, 57. BHĀG. P. 6, 11, 27. अङ्गराजेन R. 1, 10, 3. KATHĀS. 22, 68. 28, 103. स्वरितानां प्रुना सख्यं कपिसख्यं तु शोषिणाम् Suçr. 1, 111, 2. उष्ट्रेण साकम् KATHĀS. 60, 152. सख्यमेति मधुपैः RĀGĀ-TAR. 6, 154. सख्यं कर् R. 1, 65, 23. शंभोः BHĀG. P. 8, 13, 24. रामेण R. 1, 1, 59. 3, 75, 47. Spr. (II) 7242. दुर्बनेन समम् 2859. तैः सह KATHĀS. 44, 100. त्वं सख्यं तैः सह साधय ebend. सख्यं विधा 64. वककङ्कगृधैः BHĀG. P. 5, 13, 16. बबन्ध सुखिना सख्यं येन RĀGĀ-TAR. 1, 155. सार्धम् 5, 265. पौर^० unter M. 2, 134. महेश्वर^० mit, zu R. 5, 78, 5. RĀGĀ-TAR. 4, 148. HIT. 18, 2. — Vgl. परि^०, यथासख्यम्.

सख्यविसर्जन n. Auflösung der Gemeinschaft (ein Vorgang im Ritual) ĀÇV. ÇR. 7, 1, 6. Comm. zu 6, 12, 12; vgl. PĀR. GRHJ. 2, 11.

सग्, संगति DhĀTUP. 19, 27 (संवरण). — Vgl. स्थग्.

संगण (2. स + गण) adj. von einer Schaar begleitet, in Schaaren: संगणो मरुद्भिः RV. 1, 101, 9. 3, 32, 3. 47. 2. 4. VS. 25, 46. TBR. 2, 8, 2, 8. AV. 7, 77, 3; vgl. TS. 4, 3, 22, 4. mit seinem Gefolge MBH. 3, 2129. R. 2, 81, 10. KIR. 5, 13. als Bein. Çiva's Çiv.

सगद्द s. u. गद्द.

सगन्ध (2. स + गन्ध) adj. 1) riechend Suçr. 2, 429, 2. — 2) gleichen